

महलक्ष्मि अशतकम्  
नमोऽस्तुते महामये,  
स्त्रीपीठे, सुरपूजिते,  
सङ्क, चक्र, गन्धहस्तैः,  
महलक्ष्मि नमोऽस्तुते., १  
नमोऽस्तुते गरुडरुदे,  
कोलसुरभयमकरि,  
सर्वपपहरे, देवि,  
महलक्ष्मि नमोऽस्तुते., २  
सर्वगुणे सर्ववरधे,  
सर्वदुष्टभयमकरी,  
सर्वदुःखहरे, देवि,  
महलक्ष्मि नमोऽस्तुते., ३  
सिद्धिबुद्धिप्रदो देवि,  
भक्तिमुक्तिप्रदायिनी,  
मन्त्रमूर्ते, सदा देवि,  
महलक्ष्मि नमोऽस्तुते., ४  
अध्यन्त रहिते, देवि,  
अधि शक्तिमहेश्वरि,  
योगजे योगसम्भूते,  
महलक्ष्मि नमोऽस्तुते., ५

स्थूल सुक्ष्म मह रौध्रे,  
मह शक्ति महो धरे,  
मह पप हरे देवि,  
मह लक्ष्मि नमोस्तुते., ६  
पद्मसन स्थिते, देवि,  
पर ब्रह्म स्वरूपिनि,  
पर मेसि, जगन मथ,  
मह लक्ष्मि नमोस्तुते., ७  
स्वेथम्बर धरे, देवि,  
ननलन्कर भूशिते,  
जगत स्थिते, जगन मथ,  
मह लक्ष्मि नमोस्तुते., ८  
मह लक्ष्म्यशतकम स्तोत्रम,  
य पदेथ भक्तिमन नर,  
सर्व सिधि मवप्नोथि,  
रज्यम प्रप्नोथि सर्वध.